UNIVERSITY OF KOTA

KOTA

पाठ्यक्रम

SYLLABUS

SCHEME OF EXAMINATION AND

COURSES OF STUDY

FACULTY OF ARTS AND SOCIAL SCIENCES

M.A. SINDHI

EXAMINATION – 2023-24

कोटा विश्वविद्यालय, कोटा

COURSE STRUCTURE WITH DISTRIBUTION OF MARKS

Duration of the Course:

The course M.A (SINDHI) shall consist of two academic years divided into four semesters.

Scheme of Examinations:

The examination shall be divided into two parts in which first part is continuous assessment or internal assessment and second part is semester assessment or external assessment. The schemes for the internal and external examinations shall be as under:

a) The assessment of the student for theory paper shall be divided into two parts in which first part is continuous assessment or internal assessment (33.33% of maximum marks) and second part is semester assessment or external assessment (66.66% of maximum marks).

b) ***Private students*** **-** For Continuous assessment or internal assessment (50 Marks) for each theory paper shall be taken by the college [College assigned by University] in each semester. There will be two components. First will be Report writing of 40 marks. Each private student will prepare a report [Hand written or typed]on any topic of each course in minimum 1000 words from the prescribed syllabus of the theory paper. Their will be Viva voce of 10 marks.

c) The external assessment shall be of three hours duration for each theory paper.

d) The syllabus for each theory paper is divided into five independent units and each theory question paper will be divided into two sections as mentioned below:
   - ***Section-A*** *shall have 01 compulsory question comprising 10 questions (maximum 20 words answer) taking two questions from each unit. Each question shall be of two mark and total marks of this section will be 20. This section will be compulsory in the paper.*
   - ***Section-B*** *will carry 80 marks with equally divided into five long answer type questions and two questions from each unit and students attempt five questions by selecting one question from each unit.*

e) 'Student should qualify both internal & external assessment separately to pass the paper. If Candidate pass in internal examined fails in external exam, the marks of internal exam will be carried forwarded.

अंकों के वितरण के साथ पाठ्यक्रम संरचना

पाठ्यक्रम की अवधि:

पाठ्यक्रम एम.ए. (सिंधी) में दो शैक्षणिक वर्ष होंगे जो चार सेमेस्टर में विभाजित होंगे।

परीक्षा की योजना:

परीक्षा को दो भागों में विभाजित किया जाएगा जिसमें पहला भाग सतत मूल्यांकन या आंतरिक मूल्यांकन है और दूसरा भाग सेमेस्टर मूल्यांकन या बाहरी मूल्यांकन है। आंतरिक और बाह्य परीक्षाओं की योजनाएँ इस प्रकार होंगी:

थ्योरी पेपर के लिए छात्र के मूल्यांकन को दो भागों में विभाजित किया जाएगा जिसमें पहला भाग निरंतर मूल्यांकन या आंतरिक मूल्यांकन (अधिकतम अंकों का 33.33%) और दूसरा भाग सेमेस्टर मूल्यांकन या बाहरी मूल्यांकन (अधिकतम अंकों का 66.66%) है।

प्राइवेट छात्र - प्रत्येक सेमेस्टर में कॉलेज [विश्वविद्यालय द्वारा आवंटित कॉलेज] द्वारा प्रत्येक थ्योरी पेपर के लिए सतत मूल्यांकन या आंतरिक मूल्यांकन (50 अंक) लिए जाएंगे। इसमें दो घटक होंगे. सबसे पहले 40 अंकों की रिपोर्ट लेखन होगी। प्रत्येक निजी छात्र थ्योरी पेपर के निर्धारित पाठ्यक्रम से न्यूनतम 1000 शब्दों में प्रत्येक पाठ्यक्रम के किसी भी विषय पर एक रिपोर्ट [हाथ से लिखी या टाइप की गई] तैयार करेगा। तथा 10 अंकों की मौखिक परीक्षा होगी।

a. प्रत्येक थ्योरी पेपर के लिए बाहरी मूल्यांकन तीन घंटे की अवधि का होगा।
b. प्रत्येक थ्योरी पेपर के पाठ्यक्रम को पांच स्वतंत्र इकाइयों में विभाजित किया गया है और प्रत्येक थ्योरी प्रश्न पत्र को नीचे बताए अनुसार दो खंडों में विभाजित किया जाएगा:
c. खंड-अ: में 01 अनिवार्य प्रश्न होगा जिसमें प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न लेते हुए 10 प्रश्न (अधिकतम 20 शब्दों में उत्तर) होंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंकों का होगा और इस खंड के कुल अंक 20 होंगे। यह खंड पेपर में अनिवार्य होगा।
d. खंड-ब: में 80 अंक होंगे, जो समान रूप से पांच दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों और प्रत्येक इकाई से दो प्रश्नों में विभाजित होंगे और छात्र प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का चयन करके पांच प्रश्नों का उत्तर देगा।
e. छात्र को पेपर उत्तीर्ण करने के लिए आंतरिक और बाह्य मूल्यांकन दोनों में अलग-अलग उत्तीर्ण होना होगा। यदि आंतरिक परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यर्थी बाहरी परीक्षा में असफल हो जाता है, तो आंतरिक परीक्षा के अंक आगे बढ़ा दिए जाएंगे।

SEMESTER EXTERNAL ASSESSMENT

Duration of Examination: 3 Hours **Max. Marks: 100**

SECTION-A: 10x2=20

(Answer all questions)

(Two question from each unit with no internal choice)

Q. No. 1

(i) …… 2 Mark

(ii) …… 2 Mark

(iii) …… 2 Mark

(iv) …… 2 Mark

(v) …… 2 Mark

(vi) …… 2 Mark

(vii) …… 2 Mark

(viii) …… 2 Mark

(ix) …… 2 Mark

(x) …… 2 Mark

SECTION-B: 5x16 = 80

(Answer all questions)

(One question from each unit with internal choice) (Maximum two sub-divisions only)

Q. No. 2. ……

Or

…… **16 Marks**

Q. No. 3. ……

Or

…… **16 Marks**

Q. No. 4. ……

Or

…… **16 Marks**

Q. No. 5. ……

Or

…… **16 Marks**

Q. No. 6. ……

Or

…… **16 Marks**

COURSE CODE – SIN ……..T

(SEMESTER-I & II)

Year/ Semester	Serial Number, Code & Nomenclature of Paper COURSE CODE – SIN ……..T			Duration of Exam.	Distribution of Marks			Min. Pass Marks	
	Sr. No.	Paper	Nomenclature		Internal Assess.	Sem. Assess.	Total Marks	Internal Assess.	Sem. Assess.
I/I	1.1	SIN-101DCC	शाह अब्दुल लतीफ़	3 Hrs	50	100	150	20	40
	1.2	SIN-102 DCC	सामी	3 Hrs	50	100	150	20	40
	1.3	SIN-103 DCC	सिंधी मज़मून ऐं नाटक	3 Hrs	50	100	150	20	40
	1.4	SIN-104 DCC	सिंधी नॉविल ऐं कहाणी	3 Hrs	50	100	150	20	40
TOTAL					**200**	**400**	**600**		
I/II	2.1	SIN-201 DCC	सिंधी साहित्य जो इतिहास (अवाइली दौर)	3 Hrs	50	100	150	20	40
	2.2	SIN- 202 DCC	सिंधी साहित्य जो इतिहास (1853 खां अजु ताईं)	3 Hrs	50	100	150	20	40
	2.3	SIN-203 DCC	सिंधी साहित्य जूं विधाऊं	3 Hrs	50	100	150	20	40
	2.4	SIN- 204 DCC	भारतीय ऐं पाश्चात्य साहित्य जी आलोचना जा सिद्धांत	3 Hrs	50	100	150	20	40
TOTAL					**200**	**400**	**600**		

SEMESTER-I
SIN-101DCC
शाह अब्दुल लतीफ़

समय 3 घंटे **अधिकतम अंक** 100

इकाई (I) शाह लतीफ़ जो जीवन, शख़्सियत ऐं काव्य

इकाई (II) सुर कल्याण

इकाई (III) सुर सांमूडी

इकाई (IV) सुर सुहिणी

इकाई (V) सुर सोरठ

संदर्भ पुस्तकें:

1. डॉ. होतचन्द मूलचन्द गुरबक्षाणी - मुकदमें लतीफी
2. कल्याणी बी. आडवाणी - शाह
3. जेठमल गुलराजाणी - शाह जूं आखाणियूं
4. भेरूमल मेहरचन्द - लतीफी सैर
5. डॉ. मोतीलाल जोतवाणी - शाह अब्दुल लतीफ हिज़ लाइफ एण्ड वर्क
6. प्रो. पोपटी हीरानन्दाणी - शाह सिन्धी तहज़ीब जो रूह
7. डॉ. मोतीलाल जोतवाणी - सूफीज़ ऑफ सिन्ध
8. प्रो. नारायणदास भम्भाणी - शाह जूं सूरमियूं
9. डॉ. एम. के. जेतली - शाह जो रसालो हिकु अभ्यास
10. परसो गिदवाणी - शाह जो शइर

SEMESTER-I
SIN-102 DCC
सामी

समय 3 घंटे **अधिकतम अंक** 100

इकाई (I) सामीअ जो जीवन, शख़्सियत ऐं काव्य

इकाई (II) सामीअ जो वेदांत मत

इकाई (III) माया, अविद्या, मूर्ख, अज्ञानी

इकाई (IV) साधू महिमा, सत्संग, ईश्वर महिमा, गुरमुख

इकाई (V) उपदेश, भग्ती, मुहबत, सुहाग्रिण

संदर्भ पुस्तकें:

1. बी. एच. नागराणी - सामीअ जा चूंड श्लोक
2. कल्याण आडवाणी - सामी
3. लेखराज अजीज - सामी
4. डॉ. मोतीलाल जोतवाणी - सूफीज़ ऑफ सिन्ध
5. कीमत हरीसिघांणी - सामीअ जे शलोकनि जो जायज़ो
6. प्रो. लक्ष्मण हर्दवाणी - सामीअ जा श्लोक

SEMESTER-I
SIN-103 DCC
सिंधी मज़मून ऐं नाटक

समय 3 घंटे **अधिकतम अंक** 100

इकाई (I) चूंड सिंधी मज़मून - फ़हिरस्त मुज़िब मज़मून 01 खां 07

इकाई (II) चूंड सिंधी मज़मून - फ़हिरस्त मुज़िब मज़मून 08 खां 14

इकाई (III) चूंड सिंधी मज़मून - फ़हिरस्त मुज़िब मज़मून 15 खां 21

इकाई (IV) चूंड सिंधी मज़मून - फ़हिरस्त मुज़िब मज़मून 22 खां 28

इकाई (V) काको कलूमल

पाठ्य पुस्तकें:

1. चूंड सिंधी मज़मून (देवनागरी) - संपादक-कीरत ब्राब्राणी, प्रकाशक राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद, नई दिल्ली
2. काको कलूमल (देवनागरी) - मदन जुमानी

SEMESTER-I
SIN-104 DCC
सिंधी नॉविल ऐं कहाणी

समय 3 घंटे **अधिकतम अंक:** 100

इकाई (I) सुञाणप जो संकट - फ़हिरस्त मुज़िब इकाई 01 खां 03

इकाई (II) सुञाणप जो संकट - फ़हिरस्त मुज़िब इकाई 04 खां 06

इकाई (III) सुञाणप जो संकट - फ़हिरस्त मुज़िब इकाई 07 खां 08

इकाई (IV) सैलाब ज़िंदगीअ जो – बाबु 01 खां 10

इकाई (V) सैलाब ज़िंदगीअ जो – बाबु 11 खां 21

पाठ्य पुस्तकें:

1. सुञाणप जो संकट (देवनागरी) - मोतीलाल जोतवाणी, प्रकाशक राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद, नई दिल्ली
2. सैलाब ज़िंदगीअ जो (देवनागरी) - पोपटी हीरानंदाणी, प्रकाशक राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद, नई दिल्ली

SEMESTER-II

SIN-201 DCC

सिंधी साहित्य जो इतिहास

(अवाइली दौर)

समय 3 घंटे **अधिकतम अंक:** 100

इकाई (I) अवाइली दौर इश्क ऐं सुर्ह्राईअ किस्सा

इकाई (II) अवाइली दौर युध्दवीरता ऐं दानवीरता जा किस्सा, धर्मी दंध कथाऊं

इकाई (III) भक्ति काव्य जो दौरु – सूफी काव्य धारा

इकाई (IV) भक्ति काव्य जो दौरु - काज़ी कादन, शाह अब्दुल करीम

इकाई (V) भक्ति काव्य जो दौरु – त्रिमूर्ती शाइर

पाठ्य पुस्तकें:

1. सिंधी साहित्य जो इतिहास - डॉ. एम. के. जैतली
2. सिंधी साहित्य जो मुख़्तिसरु इतिहास - डॉ. कनैयालाल लेखवाणी

SEMESTER-II

SIN-202 DCC

सिंधी साहित्य जो इतिहास

(1853 खां अज़ु ताईं)

समय 3 घंटे **अधिकतम अंक:** 100

इकाई (I) सिंधी शइर जो विकास

इकाई (II) सिंधी कहाणीअ जो विकास

इकाई (III) सिंधी नॉविल जो विकास

इकाई (IV) सिंधी नाटक जो विकास

इकाई (V) सिंधी मज़मून ऐं आलोचना जो विकास

पाठ्य पुस्तकें:

1. सिंधी साहित्य जो इतिहास - डॉ. एम. के. जैतली
2. सिंधी साहित्य जो मुख़्तिसरु इतिहास - डॉ. कनैयालाल लेखवाणी

SEMESTER-II
SIN-203 DCC
सिंधी साहित्य जूं विधाऊं

समय 3 घंटे **अधिकतम अंक:** 100

इकाई (I)	• कहाणी • नई कहाणी
इकाई (II)	• नाटक • रेडियो नाटक
इकाई (III)	• उपन्यास • रिपोतार्ज
इकाई (IV)	• निबन्ध
इकाई (V)	• आलोचना के सिद्धान्त • आलोचना के गुण

संदर्भ पुस्तकें:

1. सिंधी साहित्य जो इतिहास - डॉ. एम. के. जैतली
2. साहित्य जा सिद्धांत - आनन्द खेमाणी
3. अदबी आलाप - दीपचन्द्र बेलाणी
4. उसूल ऐं आलोचना -जगदीश लच्छाणी
5. अदबी उसूल - एम. यू. मल्काणी
6. साहित्यक परख - जगदीश लच्छाणी

SEMESTER-II

SIN-204 DCC

भारतीय ऐं पाश्चात्य साहित्य जी आलोचना जा सिद्धांत

समय 3 घंटे **अधिकतम अंक:** 100

इकाई (I)
- नाट्य शास्त्र
- अलंकार शास्त्र

इकाई (II)
- रस सिद्धान्त
- काव्य के सम्प्रदाय
- छंद

इकाई (III)
- अरस्तु जो त्रासदी सिद्धांत ऐं अनुकरण
- कालरिज जो कल्पना सिद्धान्त

इकाई (IV)
- टी. एस. इलियट जो संबद्धता सिद्धान्त
- साहित्यक आलोचना जा रूप

इकाई (V)
- रोमानवाद
- नाटक जा सिद्धान्त

संदर्भ पुस्तकें:

1. साहित्य जा सिद्धांत - आनन्द खेमाणी
2. अदबी आलाप - दीपचन्द्र बेलाणी
3. पंज गंज - झमटमल भावनाणी
4. उसूल ऐं आलोचना -जगदीश लच्छाणी
5. अलंकार ऐं छन्द - डॉ. मोतीलाल जोतवाणी
6. भारतीय काव्य शास्त्र (दो भाग) - बलदेव उपाध्याय
7. भारतीय काव्य शास्त्र - सत्यदेव चौधरी
8. पाश्चात्य साहित्यलोचना के सिद्धांत - लीलाधर गुप्ता
9. रस सिद्धांत - डॉ. नगेन्द्र
10. साहित्यक परख - जगदीश लच्छाणी